

लेखनी से

1. उचित शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

क.,,रामबाण, ख. विद्याएँ ग. लक्ष्मण घ. अहंकार ड. ज्ञान

2. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

"बहुत जोर से हंस कर रावण ,बोला तू तो भोला है,
क्या तेरे भाई ने तुझ पर यह रहस्य ना खोला है? "

क. रावण ने लक्ष्मण से बोला | उसे लक्ष्मण भोला लग रहा है |

ख. लक्ष्मण रावण के सिर के पास खड़े हो गए तथा उनसे अभिमान के साथ विद्याएँ मांग रहे थे | इस पर रावण को हंसी आ गई | वह जोर से हंसने लगा |

ग. श्रोता का भाई राम हैं जो रावण से युद्ध कर रहे थे |

घ. श्रोता के भाई ने(राम) उसे क्या रहस्य नहीं बताया था कि अहंकार से विद्या नहीं मिलेगी | तभी वह पकड़ते हुए रावण के पास गया था |

3. निम्नलिखित वाक्यों में से जो वाक्य आपको रावण के चरित्र के लिए उचित लगते हैं , उन पर सही का चिन्ह लगाइए _

क. रावण अभिमानी था | ✓

ख. रावण राम का आदर करता था | ×

ग. वह सब की हंसी उड़ाता था | ✓

घ. उसे अनेक विद्याएँ आती थीं | ✓

ड. वह बिना कुछ लिए किसी को पनी कोई विद्या नहीं देता था | ×

च अंतिम समय में रावण को अहंकार के दुष्परिणाम का अनुभव हुआ | ✓

कुछ शब्दों में

1. रावण की मृत्यु के बाद उसकी सारी विद्याएँ लुप्त हो जाएँगी और संसार उन विद्याओं से वंचित रह जाएगा |

2. रावण के अनुसार विद्या केवल गुरु के चरणों में रहती है |

3. युद्ध के बाद राम थके हुए एक शीला पर बैठे थे तथा लक्ष्मण विजय गर्व से अकड़ कर राम के पीछे खड़े थे |

कुछ वाक्यों में-

1. राम ने लक्ष्मण को बताया कि रावण अभिमानी है पर वह प्रकांड पंडित है | उसे अनेक विषयों का ज्ञान है | कुछ विद्याओं का तो वह अकेला ज्ञाता है | कई मंत्र ऐसे हैं जिनका मूल केवल वही जानता है |

2. रावण ने लक्ष्मण को समझाया कि अहंकार के साथ अगर विद्या सीखने जाओगे तो तुम्हें कभी ज्ञान नहीं मिलेगा | गुरु के सिर पर चढ़कर कोई ज्ञान नहीं पा सकता| अहंकार बंद दरवाजे के समान है जिन्हें ज्ञान पार नहीं कर सकता| विद्या केवल गुरु के चरणों में ही मिलेगी | अहंकार छोड़कर गुरु के चरणों में बैठोगे तभी ज्ञान मिलेगा |

3. लक्ष्मण रावण का उपदेश सुनकर सकुचाते हुए रावण के पास गए | रावण ने उन्हें सारी विद्याएँ सिखाई पर सबसे बड़ा ज्ञान यही था कि अहंकार नहीं करना चाहिए| आप कितने भी बड़े ज्ञानी क्यों न हो, यदि अहंकार है तो वह ज्ञान अधूरा ही है |

भाषा और व्याकरण

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए-

मुरलीधर - मुरली धारण की है जिसने- कृष्ण

एकदंत- एक दांत है जिसका - गणेश

पितांबर -पीला अंबर है जिसका- विष्णु

चक्रधर- चक्र धारण किया है जिसने- विष्णु

नीलकंठ -नीला है कंठ जिसका- शिव

2.' ता' प्रत्यय के प्रयोग से बने कुछ भाववाचक संज्ञा शब्द लिखिए_

मूर्खता, गंभीरता, कायरता, कुशलता, वीरता, विद्वता ।

3. निम्नलिखित संयुक्त वाक्य को सरल वाक्य बनाकर लिखिए_

क. रावण ने लक्ष्मण को बुलाकर सारी विद्याएँ सिखाई ।

ख. रावण से विद्या विद्याएँ न सीखने पर विलुप्त हो जाएंगी ।

ग. मैं श्रीराम से आज्ञा लेकर तुमसे तुम्हारी विद्याएँ लेने आया हूँ ।

घ. लक्ष्मण जाकर रावण के सिर की ओर खड़े हो गए।

ड. रावण ने लक्ष्मण को बिना कृपणता दिखाएँ सारी विद्याएँ सिखाई ।

4. उपर्युक्त उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए_

क. यद्यपि उसने परिश्रम किया तथापि वह सफल नहीं हो सका ।

ख. यद्यपि वे अच्छा खेले तथापि वह टीम नहीं जीत पाई ।

5. निम्नलिखित शब्दों में उदाहरण के अनुसार मूल शब्द व प्रत्यय अलग करके लिखिए_

मूल शब्द_ श्रम ,संचालन, वंचना, घटना ,प्रकाशन

प्रत्यय शब्द- श्रमित ,संचालित, वंचित, घटित, प्रकाशित

